Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding installation of Ultra Violet Technology in Parliament.

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के राज्य मंत्री; **पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के राज्य मंत्री**; **प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री**; **कार्मिक**, **लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री**; **परमाणु ऊर्जा विभाग में राज्य मंत्री तथा अंतरिक्ष विभाग में राज्य मंत्री** (**डॉ. जितेन्द्र सिंह**): माननीय अध्यक्ष महोदय, आपकी अनुमति से मुझे माननीय सदस्यों के साथ यह बात साझा करते हुए और यह सूचना देते अत्यंत हर्ष महसूस हो रहा है कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, साइंस एवं टेक्नोलॉजी मिनिस्ट्री, जिसके साथ मेरा संबंध है, उसके माध्यम से सीएसआईआर के द्वारा इस कक्ष में एक आधुनिक अल्ट्रा-वॉयलेट टेक्नोलॉजी की इंस्टॉलेशन कुछ समय पहले ही की गई है, जिसे वैज्ञानिक भाषा में यूवीसी कहते हैं । इसके माध्यम से एसी से निकलती हुई हवा, जिसके बारे में अक्सर यह आशंका जाहिर की जाती है कि उससे वायरस, कोरोना, सार्स, ओमिक्रॉन आदि का फैलाव होता है, उस पर कुछ न कुछ अंकुश लगाने का कार्य उस अल्ट्रा वायलेट टेक्नोलॉजी के माध्यम से रहता है । अध्यक्ष महोदय ने हमें इस टेक्नोलॉजी को यहां इंस्टॉल करने की आज्ञा दी, उसके लिए मैं उनका धन्यवाद करता हूं ।

श्री अधीर रंजन चौधरी (**बहरामपुर**): आपने मास्क की बात नहीं की ।

डॉ. जितेन्द्र सिंह: महोदय, मैं मास्क की बात अभी करूंगा । कोविड एप्रोप्रिएट बिहेवियर तब तक जारी रखिए, जब तक गाइडलाइन्स कहती हैं । अक्सर मीडिया में और आम चर्चा में यह बात सामने आ रही थी कि जो बंद कक्ष रहते हैं, वहां इसके फैलने की संभावना ज्यादा रहती है । हमने इस टेक्नोलॉजी को मुंबई से शुरू करके रेलगाड़ियों में लगाने की प्रक्रिया प्रारंभ की है, लेकिन जैसा कि अधीर रंजन जी ने कहा, एप्रोप्रिएट बिहेवियर जारी रहेगा ।